Title: Urged the Government to reduce the administrative expenditure of the Coal India Limited.

श्री र्वीन्द्र कुमार पाण्डेय (गिरिडीह) : उपाध्यक्ष महोद्य, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि कोल इंड्िया लिमिटेड की कई अनुांगी कम्पनि्यों के घाटे बढ़ रहे हैं। इसका कारण प्रबंधन की अकुशलता है। खर्च और गलत डाटा दिखाकर गुमराह करने की पद्धति बनी हुई है। अनुांगी कम्पनि्यों के शी्ि अधिकारी इतने सक्षम होते हैं कि कि्सी प्रकार की जांच को अपने पक्ष में कर लेते हैं।

लोक सभा महापंचा्यत है, लेकिन लगता है कि इसमें भी कुछ कहने पर अ्सर नहीं होता है। भ्रट और अकुशल इ्स महापंचा्यत की बात से डरते नहीं हैं। त्भी तो स्पे्शल मैन्शन के अधीन जनता की बात रखने या प्रश्न के माध्यम से जनहित का मामला उठाने पर वि्भाग को ही मान्य होती है। भवि्य के लिए यह संकेत काफी पी्ड़ादा्यक सा्बित होगा।

मेरा सरकार से आग्रह है कि सी.आई.एल. की अनुांगी कम्पनि्यों का CIL में एकीकरण कि्या जा्ये इ्स्से प्रशा्सनिक खर्च में कमी होगी और अधिकारि्यों की संख्या में भी कमी आएगी। साथ ही सदन में उठाए ग्ये मामले की एक नि्पक्ष अ्भिकरण द्वारा जाँच सुनि्श्चित कराई जाए ।